सर्टिफिकेट पिम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

मॉड्यूल 13- जल उपभोक्ता समिति द्वारा नहरों का रखरखाव कार्य

विषय 13.4 : कार्यों की गुणवत्ता का नियंत्रण तथा भुगतान

विषय -13.4

कार्यों की गुणवत्ता
का नियंत्रण तथा
भुगतान

मॉड्यूल 13 के विषय :

- 13.1 नहर का वाक थ्रू तथा कार्यों का प्राथमिकता निर्धारण
- 13.2 कार्यों का प्राक्कलन बनाना
- 13.3 कार्यों की तकनीकी, वित्तीय स्वीकृति तथा कार्यों को कराए जाने हेतु एजेंसी का चयन
- 13.4 कार्यों की गुणवत्ता का नियंत्रण तथा भुगतान

1- कार्य की गुणवत्ता का नियंत्रण

ठेकेदार द्वारा जो भी कार्य कराया जाता है उसकी देखभाल जल उपभोक्ता समिति के सभी सदस्यों, नहर के किसानों द्वारा भी मौके पर किया जाना चाहिए। यदि कोई भी कार्य खराब पाया जाता है या कम मात्रा में पाया जाता है तो मौके पर ही ठेकेदार द्वारा ठीक कराया जाता है। कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

किया जाता है। कार्यों की देखरेख तथा गुणवत्ता की देखभाल विभाग के अधिकारियों द्वारा भी की जाती है। उदाहरण के रूप में अनुरक्षण कार्यों के अन्तर्गत नहरों के आन्तरिक भाग में कराये जाने वाले कार्यों में गुणवत्ता देखने हेतु निम्न बिन्दुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

- (i.) जहाँ नहर की तली डिजाइन स्तर से नीची हो, उन स्थानों पर कुदाल या फावड़ों की सहायता से घास की छिलाई करनी चाहिए।
- (ii.) तली के डिजाइन स्तर से ऊपर उठी हुई सिल्ट की सभी ठेक, तली के सही स्तर तक हटा देनी चाहिए। तली को समतल करना चाहिए तथा लम्बाई में उसका ढाल, डिजाइन के ढाल के बराबर रखना चाहिए।
- (iii.) नहर की तली का स्तर तली में बनी हुई बेड प्रोफाइल की सहायता से या पक्के कार्यों जैसे पुलिया आदि की पक्की तली से निश्चित करना चाहिए।
- (iv.) नहर की तली के दोनो छोरो से सिल्ट की ठेक काटकर, तथा उसे तली के बीच में फैलाकर, तली समतल करनी चाहिए।
- (v.) ईटों या कंक्रीट आदि से बनी वर्तमान बेड-बार की जहाँ आवश्यकता हो सीमेन्ट-मसाले से मरम्मत की जानी चाहिए।
- (vi.) नहर की सफाई, नहर की टेल या फाल से शुरू करते हुए नीचे से ऊपर की ओर की जायेगी। नहर के अलग-अलग के भागों की सफाई कभी नहीं की जानी चाहिए।
- (vii.) सिल्ट सफाई करने से पूर्व बेड-बार के ऊपर से जमी हुई सिल्ट हटा देनी चाहिए। नहर में सिल्ट सफाई इस प्रकार करायी जायेगी कि नहर के पूर्ण जल स्तर पर डिजाइन का जल प्रवाह चल सके।
- (viii.) निकाली गयी सिल्ट का निस्तारण पहले, पुराने बोरों में गड्डों को भरने में तथा बाद में नहर की पटरियों के बाहरी ढलानों पर करना चाहिए। सिल्ट का नहर की पटरियों के शीर्ष स्तर से ऊपर तक ढेर नहीं लगाना चाहिए।

गुणवत्ता नियंत्रण में नहर निरीक्षण करके निम्न बिन्दुओं को भी देखना चाहिए।

- (i.) नहर की तली में सिल्ट जमना, तली की चैड़ाई में कोई बदलाव।
- (ii.) नहर के अंदर खरपतवार।
- (iii.) नहर पर बने पक्के कार्यों की नींव के पास या फाल/रेगुलेटर आदि के डाउनस्ट्रीम में तली में कटाव तथा बैंक आदि का कटान।
- (iv.) फाल की क्रेस्ट में लगे निकासी पाइप का अवरूद्ध हो जाना।
- (v.) क्या सभी पक्के कार्यों में, विशेष रूप से साइफन/जल सेतु में कबाड़, टूटी ईंटों या पत्थर के टुकड़ों आदि तो जमा नहीं हैं।
- (vi.) किसी पक्के कार्य के पास में उग आये/लगे हुए किसी पेड़ की जड़ों के फैलने से पक्के कार्य में कोई टूट-फूट।

2- कार्य का भुगतान

जब ठेकेदार द्वारा अनुबन्ध के अनुसार कराये जाने वाले सभी कार्यों को अच्छी प्रकार गुणवत्ता के साथ कर दिया जाता है तो किये गये कार्य को माप लिया जाता है जिसका मौके पर सत्यापन एवं जांच विभागीय अधिकारियों से करा लिया जाता है। कार्य के दौरान यदि चालू भुगतान आवश्यक हो तो उस समय तक किये गये कार्य की मापी का सत्यापन सक्षम विभागीय अधिकारी द्वारा कराये जाने के उपरान्त जल उपभोक्ता समिति द्वारा चालू भुगतान किया जा सकता है।

जल उपभोक्ता समिति अन्तिम भुगतान से पहले कार्य की मात्रा तथा कार्य की गुणवत्ता से यदि पूर्णतया सन्तुष्ट हो जाती है तो अपनी समिति की सामान्य सभा की बैठक बुलायेगी। इस बैठक में नहर अधिकारियों को भी बुलाया जाना चाहिए। सामान्य सभा द्वारा कार्य पर सन्तुष्टि दर्शाए जाने तथा अन्तिम भुगतान की सहमति देने पर ठेकेदार को उस कार्य का अन्तिम भुगतान कर दिया जायेगा।